पत्र 2

Published by the Comic Bible Society, LLC
Copyright © 2021

Kingstone Comics maintains copyright to this comic book as provided by United States copyright law.

Print and digital copies of this version may be freely distributed without penalty under a Creative Commons license.

फिलिप्पियों
रोमी प्रान्त के फ़िलिप्पी की कलीसिया की स्थापना पौलुस ने अपनी दूसरी मिशनरी यात्रा पर की थी।
वहाँ, उसने एक भविष्य बताने वाली लड़की में से दुष्टात्मा को बाहर निकाला, जिस कारण उसकी पिटाई और कैद भी हुई थी।
रोम में कैद के दौरान उसे फ़िलिप्पी की कलीसिया की ओर से एक भेंट मिली।
मेरे साथ जो कुछ भी हुआ है, उसने मसीह के सुसमाचार को फैलाने में मदद की है।
मेरे कैद के कारण बहुत से मसीही दूसरों को मसीह के बारे में बताने के लिए साहसी हो गए हैं।
कुछ लोग मसीह का प्रचार मुझसे ईर्ष्या के कारण करते हैं लेकिन बहुत से लोग मसीह का प्रचार भली इच्छा से करते हैं।
लेकिन उनका उद्देश्य जो कुछ भी हो - मसीह का प्रचार किया जा रहा है, और मैं इस बात से आनन्दित हूं।
चाहे कुछ भी हो, मसीहियों की तरह जियो, इसलिए चाहे मैं तुम्हें फिर से देखूँ या केवल तुम्हारे बारे में सुनूं, मैं जान लूंगा कि तुम एक उद्देश्य के साथ स्थिर हो सुसमाचार सुनाने के लिएँ।

एक दूसरे से प्रेम करो और एक दूसरे के साथ सहमत हो, एक मन और एक ही चित्त और उद्देश्य सहित एक साथ मिलकर कार्य करो ऐसा करके मुझे सचमुच आनन्दित करो।
स्वार्थी मत बनो बल्कि नम्र बनो, दूसरों को अपने से बेहतर समझो।
तुम्हारा स्वभाव यीशु मसीह की तरह होना चाहिए, जिसने परमेश्वर होते हुए भी परमेश्वर के तुल्य होने को अपने वश में रखने की बात न जानी, बल्कि अपनी सामर्थ्य और महिमा को त्याग दिया, और एक दास की तरह बन गया और मनुष्य की समानता में हो गया।
और उसने स्वयं को ऐसा विनम्र कर दिया, यहाँ तक कि क्रूस पर एक अपराधी के समान मर गया।
सब कुछ बिना शिकायत और बिना विवाद के किया करो।
खतरनाक कुत्तों और उन दुष्ट लोगों से सावधान रहो, मैं उनसे कहता हूँ - जो यह कहते हैं कि उद्धार पाने के लिए खतना कराना जरुरी है।
यदि किसी के पास इस आशा का कारण होता कि वह खुद को बचा सकता है, तो वह मैं हूं।
DANNY BULANADI/17

मैं फरीसियों के घराने का एक सदस्य और बिन्यामीन के गोत्र में जन्मा। मैंने हर यहूदी नियम का सख्ती से पालन किया और कलीसिया को सताया।
लेकिन ये सभी चीजें जिन्हें मैं एक समय में बहुत ही उचित समझता थाड़अब मैंने उन सभी को त्याग दिया है ताकि मैं अपना भरोसा और आशा सिर्फ मसीह में रख सकूँ।
हाँ, मेरे प्रभु मसीह यीशु की पहचान की उत्तमता के लाभ की तुलना में बाकी सब कुछ बेकार है।
फिलिप्पियों २-७

प्रभु में सदा आनन्दित रहो; मैं फिर से यह कहता हूं, कि आनन्दित रहो!
सभी को तुम्हारा निःस्वार्थ स्वभाव दिखाई दे और जो कुछ भी तुम करते हो उस पर विचार करो।
किसी बात की चिंता मत करो; इसके बजाय, सब बातों के लिए प्रार्थना करो।
इस पत्र को समाप्त करते हुए, मैं एक और बात कहना चाहता हूँ कि सत्य और भला और उचित क्या है इस पर अपने विचारों को केन्द्रित करो।
उन सब बातों के विषय में विचार करो जिनके कारण तुम परमेश्वर की स्तुति कर सकते हो और जिसके विषय में आनन्दित हो सकते हैं।
मैं कितना आभारी हूँ और प्रभु की स्तुति करता हूं कि तुम फिर से मेरी मदद कर रहे हो।
मैंने हर परिस्थिति में संतुष्ट रहने का रहस्य सीखा है ... क्योंकि मैं मसीह की सहायता से वह सब कुछ कर सकता हूं जो परमेश्वर मेरे द्वारा करना चाहता है।
मसीह यीशु में सभी पवित्र लोगों को नमस्कार - यहाँ के सभी पवित्र लोग नमस्कार कहते हैं - विशेषकर उन्हें जो कैसर के घराने में काम करते हैं।

कुलुस्सियों
कुलुस्से पिरगिया में (आधुनिक तुर्की में) एक शहर था और जो इफिसुस से लगभग 100 मील पूर्व में था।
प्रेरित पौलुस ने इस कलीसिया को आरंभ नहीं किया था, इसे इपफ्रास नाम के एक व्यक्ति द्वारा स्थापित किया गया था जिसे इफिसुस में पौलुस की सेवकाई के दौरान बचाया गया था।
कलीसिया को दो अपधर्मों का सामना करना पड़ रहा था, पहला यह कि यीशु परमेश्वर से पद में कम था और लोगों को आत्मज्ञान के लिए शास्त्रों से बढ़कर उच्च ज्ञान प्राप्त करना होगा।
दूसरा यह कि स्वर्गदूतों की आराधना और उद्धार के लिए यहूदी नियमों का पालन करना जरुरी था।
रोम में रहते हुए जेल के अपने कक्ष से लिखते हुए पौलुस ने इन दोनों को संबोधित किया।
मसीह अनदेखे परमेश्वर का वास्तविक प्रतिरूप है। परमेश्वर के कुछ भी बनाने से पहले वह अस्तित्व में था।
मसीह वह सृष्टिकर्ता है जिसने स्वर्ग और पृथ्वी पर सब कुछ बनाया, जिन वस्तुओं को हम देख सकते हैं और जिन वस्तुओं को हम नहीं देख सकते।
वही सब कुछ शुरू होने से पहले था और यह उसी की सामर्थ्य है जो सब कुछ जोड़ कर रखता है।
वही देह का अर्थात अपनी कलीसिया का सिर है।

मैं तुम्हारे लिए प्रार्थना में संघर्ष करता हूँ - कि तुम मसीह को स्पष्ट रीति से जान सको।
उसी में बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं।
मुझे डर है कि कहीं कोई तुमको चिकनी-चुपड़ी बातें करके धोखा न दे।
देखो कि तुम प्रभु में बढ़ते रहो और जो तुम्हें सिखाया गया था उस सत्य में दृढ़ होते जाओ।
मनुष्यों के विचारों पर आधारित तत्वज्ञानों से दूसरों को अपना विश्वास और आनन्द बेकार न करने दो।
क्योंकि मसीह में परमेश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है, उसके पास हर एक प्रधानता के ऊपर अधिकार है।
तुम पापों के कारण मरे हुए थे, तभी उसने तुम्हें मसीह के साथ जी उठने में सहभागी किया, क्योंकि उसने तुम्हारे सभी पापों को क्षमा कर दिया है।
क्योंकि तुम संसार के मुक्ति विचारों पर मसीह के साथ मर चुके हो, तो तुम कुछ खाद्य पदार्थों को न खाने, चखने या यहाँ तक कि छूने के इन नियमों का पालन करने पर सही क्यों रहते हैं?

जबकि तुम मसीह के साथ जिलाए गए हो, तो अपनी दृष्टि स्वर्ग के बहुमूल्य खज़ानों और सुखों पर लगाओ, जहाँ वह आदर और पराक्रम के साथ परमेश्वर के दाहिनी ओर विराजमान है।
अपनी पापमय अभिलाषाओं को छोड़ दो अर्थात व्यभिचार, अशुद्धता, दुष्कामना, और बुरी लालसा के साथ कुछ भी न करो।
क्रोध, बैरभाव, शाप और गंदी भाषा के वस्त्र उतार डालो।
अपने पुराने मनुष्यत्व की तरह एक-दूसरे से झूठ न बोलो, बल्कि जो सही है वही सीखो - अधिक से अधिक मसीह की तरह बनने की कोशिश करते रहो।
क्योंकि तुमको परमेश्वर के गहरे प्रेम के द्वारा चुना गया है – तो तुम्हें भी दूसरों के प्रति दया और सहनशीलता धारण करनी चाहिए।
नम्र बनो और क्षमा करने के लिए तैयार रहो; कभी ईर्ष्या न रखो।
याद रखो कि मसीह ने क्या सिखाया है, और उसके वचन तुम्हारे जीवन को समृद्ध करें और तुम्हें बुद्धिमान बनाए।
और जो कुछ भी तुम करते या कहते हो - उसे प्रभु यीशु के प्रतिनिधि के रूप में करो।

कुलुस्सियों 3:1-17

हे पत्नियों, अपने आप को अपने पतियों के अधीन रखो - और पति अपनी पत्नियों के प्रति प्रेमपूर्ण और दयालु हों।
हे बच्चों - अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करो - क्योंकि इससे प्रभु प्रसन्न होता है।
हे दासों तुम्हें अपने सांसारिक स्वामियों की आज्ञा का पालन करना चाहिए, मानो कि तुम प्रभु के लिए काम कर रहे हो।
हे स्वामियों तुम्हें भी अपने सभी दासों के प्रति न्यायपूर्ण और ठीक-ठीक व्यवहार करना चाहिए - याद रखना कि तुम्हारा भी एक स्वामी है जो तुम्हें बहुत ध्यान से देखता है।
प्रार्थना करने से थको मत इसमें लगे रहो और कृतज्ञ होना याद रखो।
दूसरों को सुसमाचार सुनाने के अवसरों का भला लाभ उठाओ - उनके साथ अपने सभी संबंधो में बुद्धिमान बनो।
लूका और देमास का तुम्हें नमस्कार।
कृपया लौदीकिया की कलीसिया को मेरा नमस्कार कहना और इस पत्र को पढ़ने के बाद उनको भी यह पत्र पहुँचा दिया जाए।
मेरी जंजीरों को स्मरण रखना।
कुलुस्सियों ३:१८-४:१८

फिलिप्पी में दुर्व्यवहार किए जाने के बाद, पौलुस मकिदुनिया की राजधानी थिस्सलुनीके गया, जहाँ उसने एक कलीसिया स्थापित की।
५१ ईस्वी. में कुरिन्थुस से उसने यह दूसरा धर्म-सिद्धांत पत्र लिखा।
७ थिस्सलुनिकियों
हम जहाँ भी गए हमने पाया कि लोग हमें परमेश्वर में तुम्हारे अद्‌त विश्वास के बारे में बता रहे हैं।
फिलिप्पी में हमारे साथ दुर्व्यवहार होने के बाद, परमेश्वर ने हमें तुम्हारे साथ फिर से वही सुसमाचार सुनाने का साहस दिया।
क्योंकि हम परमेश्वर के भरोसेमंद दूत के रूप में बोलते हैं, हम सुनने वालों की पसंद के अनुसार नहीं बदलते हैं।
याद रखना कि हमने कैसे रात-दिन काम किया ताकि हमारे खर्च किसी के लिए बोझ न हों जिस तरह कि हमने तुम्हारे बीच परमेश्वर का सुसमाचार प्रचार किया।
उसके बाद हम तुमसे दूर हो गए थे लेकिन थोड़े समय के लिए, हमने वाप्स आने की बहुत कोशिश की लेकिन शैतान ने हमें रोक रखा था।
हमारा गौरवपूर्ण प्रतिफल और मुकुट क्या है? तुम ही हो!

जब मैं इसे और बर्दाश्त नहीं कर सका, तो मैंने तुम्हें प्रोत्साहित करने के लिए तीमुथियुस को भेजा - मुझे डर था कि शैतान ने तुम में से सबसे अच्छा न पकड़ लिया हो और हमारा परिश्रम व्यर्थ हो गया हो।
लेकिन तीमुथियुस इस समाचार के साथ लौटा कि तुम्हारा विश्वास और प्रेम हमेशा की तरह मज़बूत है और तुम हमें बड़े आनन्द के साथ स्मरण करते हो - इसलिए अब हमें बहुत बड़ी तस्सली मिली है।
और प्रभु तुम्हारे प्रेम को बहुतायत से बढ़ाए जैसा प्रेम हम तुमसे करते हैं वैसा ही आपस में और सभी लोगों के प्रति भी उमड़ता रहे।
मैं चाहता हूँ कि तुम जान लो कि एक मसीही के मृत्यु के बाद क्या होता है इसलिए तुम उन लोगों की तरह शोक न करना जिनके पास कोई आशा नहीं है।
परमेश्वर चाहता है कि तुम सब प्रकार के व्यभिचार से बचे रहो इसलिए कि तुममें से प्रत्येक जन पवित्रता और सम्मान के साथ विवाह करना जाने - और कभी भी किसी दूसरे व्यक्ति की पत्नी को न ले लेना-। प्रभु इसके लिए बहुत ही कठोर दण्ड देगा।
जब यीशु मरा और फिर जीवित हुआ, और जब वह लौटेगा तो परमेश्वर उन मसीहियों को भी जो मर गए हैं उसी के साथ वापस लाएगा।

हम जो अब तक जीवित हैं, जब प्रभु वापस आएगा, तो उससे मिलने के लिए उन लोगों से आगे कभी नहीं बढ़ेंगे जो अपनी कब्रों में हैं।
क्योंकि प्रभु स्वयं स्वर्ग से उतरेगा, एक शक्तिशाली ललकार के साथ, और प्रधान दूत की पुकार सुनाई देगी, और परमेश्वर की तुरही फूँकी जाएगी।
तब हम जो अब तक जीवित और पृथ्वी पर बचे रहेंगे, उसके साथ बादलों पर उठा लिए जाएँगे, कि हवा में प्रभु से मिलें और सदा उसके साथ रहें।
कोई नहीं जानता कि यह किस समय होगा - वह रात में चोर की तरह आ जाएगा।
इसलिए सावधान रहो, औरों की तरह सोते न रहो। उसके वापस आने की राह देखते रहो और संयमी हो, एक दूसरे को प्रोत्साहित करते रहो और उन्नति करते रहो, जैसा कि तुम पहले से ही करते आए हो।
उन लोगों का आदर करो जो तुममें कठिन परिश्रम करते हैं और जो कुछ भी अनुचित है, उसके विरुद्ध तुम्हें चेतावनी भी देते हैं।
उनका और भी ज़्यादा ख्याल रखो और उन्हें अपने पूरे हृदय से प्रेम करो क्योंकि वे तुम्हें शिक्षा देने में मदद करते हैं।
आलसियों को चेतावनी दो, जो भयभीत हैं उन्हें सांत्वना दो, जो निर्बल हैं उनकी देखभाल करो, और सबके साथ सहनशीलता दिखाओ।
हमारा प्रभु यीशु मसीह जब तक फिर से वापस नहीं आ जाता, तब तक तुम्हारी आत्मा और प्राण और शरीर को निर्दोष और सुरक्षित रखा जाए।

पहली पत्री के कुछ महीने बाद, पौलुस ने एक दूसरी पत्री भेजी।
हमें तुम्हारे सब प्रकार के क्लेशों के बाद भी, अन्य कलीसियाओं को परमेश्वर में तुम्हारे विश्वास के विषय में बताते हुए आनन्दित हो रहे है।
परमेश्वर तुम्हारे क्लेशों का प्रयोग तुम्हें अपने राज्य के लिए तैयार करने के लिए कर रहा है, साथ ही उन लोगों के लिए दण्ड भी तैयार कर रहा है जो तुम्हें चोट पहुँचाते हैं।
जब प्रभु यीशु अपने सामर्थी स्वर्गदूतों के साथ धधकती हुई आग में स्वर्ग से प्रकट होगा, तो परमेश्वर तुम्हें और हमें दोनों को शांति देगा - उन लोगों पर न्याय लाएगा जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा उन्हें बचाने की परमेश्वर की योजना को अस्वीकार करते हैं।
वे अनन्तकाल तक नरक में दण्ड भोगेंगे, हमेशा-हमेशा के लिए प्रभु से अलग रहेंगे, और उसकी महिमा की सामर्थ्य को कभी नहीं देख पाएँगे, जब वह स्तुति और प्रशंसा पाने के लिए आएगा।
इस अफवाह से घबरा मत जाना कि प्रभु का दिन आ पहुँचा है।
यदि तुम सुनते हो कि लोगों के पास परमेश्वर की ओर से विशेष संदेश हैं - या पत्री जो मेरे पास से आए - उन पर विश्वास न करना।

७७ थिस्सलुनीकियों २:७-१५

अंततः तुम हमारे लिए प्रार्थना करो कि प्रभु का वचन तेजी से फैलेऔर कई जीवनों को जीते।
प्रार्थना करें कि हम दुष्ट लोगों के चंगुल से बचे रहें, क्योंकि हर किसी में विश्वास नहीं होता।
लेकिन प्रभु विश्वासयोग्य है - वह तुम्हें दृढ़ बनाएगा और शैतान के सभी हमलों से तुम्हें सुरक्षित रखेगा।
एक आज्ञा है, जो मसीह के अधिकार द्वारा देता हूँ किसी भी मसीही भाई से दूर रहो जो अपने दिन आलस्य में बिताते हैं और परिश्रम नहीं करते हैं।
तुम्हें हमारी जैसी चाल चलनी चाहिए - हमने कठिन परिश्रम किया और किसी की भी मूल्य-रहित रोटी नहीं खाई - इसलिए कि हम तुम पर बोझ न बने।
आलस्य में रहनेवालों और बकबक करने वालों को हम आज्ञा देते हैं कि चुपचाप काम करो और अपना जीवन यापन स्वयं करो।
और शेष लोगों से मैं कहता हूं- भलाई करने से कभी न थकना।
हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम सभी पर बना रहे।

तीमुथियुस गलातिया (आधुनिक तुर्की) प्रान्त में एक नवयुवक था। प्रेरित पौलुस उसे अपनी पहली मिशनरी यात्रा मे मसीह की ओर ले लाया।
पौलुस तीमुथियुस को अपनी दूसरी मिशनरी यात्रा पर अपने साथ ले गया।
७ तीमुथियुस
तीमुथियुस एक भक्त नवयुवक था और वह इफिसुस की कलीसिया का पादरी बना।
अपने पहले रोमी कारावास से रिहा होने के बाद, जैसा कि लूका उसके साथ था, उस समय पौलुस ने तीमुथियुस को यह पहला पत्र लिखा।
“विश्वास में मेरे सच्चे पुत्र तीमुथियुस - इफिसुस में रह और उन लोगों को रोकने की कोशिश कर जो झूठी शिक्षा देते हैं।”
“यह बात सच है कि मसीह पापियों को बचाने के लिए दुनिया में आया - और उन सब में सबसे बड़ा पापी मैं था।”
“हे मेरे पुत्र, तीमुथियुस, प्रभु के लिए अच्छा युद्ध लड़, और हमेशा अपना विवेक शुद्ध रख।”
[१] तीमुथियुस में यह आरोप ठहराया गया, कि उसने इफिसुस में उनकी देवी अरतिमिस के खिलाफ प्रचार किया, इस कारण भीड़ द्वारा उसे मौत के घाट उतारा गया था।

हम देखते हैं कि कैसर उसके सिंहासन पर विराजमान है और उसके चारों ओर धूमधाम है और सैनिक उसकी रखवाली कर रहे हैं।
"राजाओं और अधिकारियों के लिए प्रार्थना करो ताकि हम शांति और विश्राम से रह सकें।"
"यह अच्छा है और हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर को प्रसन्न करता है जो चाहता है सभी का उद्धार हो और वे इस सच्चाई को अच्छे से समझ सकें।"
"और मसीही स्त्रियों को दयालु और भली होना चाहिए, न कि अपने बालों को गूंथने के तरीकों या अपने गहने या कपड़ों के लिए।"
"एक कलीसिया के अध्यक्ष को भला व्यक्ति होना चाहिए जो एक नया मसीही न हो और जिसके जीवन के विरुद्ध कोई बातें न हो"
"उसकी सिर्फ एक ही पत्नी हो और एक अच्छा व्यवहार करने वाला परिवार होना चाहिए ताकि वह कलीसिया की अगुवाई कर सके।"
"उपयाजकों को भी पादरी के समान ही भला व्यक्ति होना चाहिए। उन्हें अधिक शराब पीने वाला नहीं होना चाहिए और लालची भी नहीं होना चाहिए।"
"उनकी पत्नियों को भी गंभीर होना चाहिए, अधिक शराब पीने वाली न हों, न बकबक करने वाली, बल्कि हर काम में विश्वासयोग्य होनी चाहिए।"

पवित्र आत्मा स्पष्ट रूप से कहता है कि अंत के दिनों में कलीसिया में से कुछ लोग दूर हो जाएंगे और दुष्टात्माओं के सुझावों का पालन करेंगे - यह कहेंगे कि शादी करना और मांस खाना गलत है - लेकिन परमेश्वर ने इन वस्तुओं को हमारे आनंद के लिए बनाया है।
अपना समय और ऊर्जा आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहने में इस्तेमाल करो।
शारीरिक साधना ठीक है, लेकिन आत्मिक व्यायाम उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।
बूढ़े व्यक्ति से आदरपूर्वक बात करना जैसे कि वह तेरा पिता हो, और जवानों को प्रिय भाई समझो।
बूढ़ी स्त्रियों को माँ और जवान स्त्रियों को अपनी बहन समझकर व्यवहार कर।
कलीसिया को उन विधवाओं की देखभाल करनी चाहिए जो बकबक करने और सिर्फ आनंद तलाशने के बजाय परमेश्वर में आशा रखती हैं और उसी में लीलीन रहती हैं।
यदि कोई अपने सगे सम्बंधियों की परवाह नहीं कर सकता, तो उसे मसीही कहलाने का कोई अधिकार नहीं है।
जो पादरी अपना काम अच्छी तरह से करते हैं विशेषकर उन्हें जो प्रचार और शिक्षा दोनों में कठिन परिश्रम करते हैं भली-भांति भुगतान किया जाना चाहिए और आदर दिया जाना चाहिए।
पादरी के विरुद्ध लगाए गए दोषों को तब तक न सुनो जब तक कि उसके विरुद्ध दो या तीन गवाह न हों।

मसीही दासों को अपने स्वामियों के लिए कठिन परिश्रम करना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए - यह कभी नहीं कहा जाना चाहिए कि मसीह के लोग तुच्छ नौकर हैं।
यदि उनका स्वामी एक मसीही है तो उन्हें और अधिक परिश्रम करना चाहिए क्योंकि उसके परिश्रम के द्वारा मसीह में एक भाई की मदद हो रही है।
यदि हमारे पास भोजन और वस्त्र हैं तो हमें दूसरों से बाँटना चाहिए और संतुष्ट रहना चाहिए।
कुछ लोग पैसों की अभिलाषा में हर तरह के गलत काम करते हैं - क्योंकि पैसे का मोह सभी तरह के पापों की ओर पहला कदम है।
मैं तुझे परमेश्वर के सामने... और मसीह यीशु के सामने आज्ञा देता हूँ, जिस ने पुन्तियुस पिलातुस के सामने अंगीकार किया, कि अब से लेकर हमारे प्रभु के वापस आने तक जो कुछ उस ने तुझ से करने को कहा है, उसे तू पूरा कर।
धनवानों से कह कि वे न घमण्ड करें और न ही अपने धन पर भरोसा करें, जो जल्द ही नष्ट हो जाएगा।
उनका घमण्ड और भरोसा जीवित परमेश्वर में होना चाहिए जो हमारे आनन्द के लिए हमारी जरूरत की हर वस्तु प्रदान करता है।
उनसे कह कि वे अपने धन का उपयोग भले कामों में करें, भलाई के कामों में अमीर बनें और जरूरतमंदों को आनन्द से दें, इस प्रकार स्वर्ग में अपने लिए वास्तविक खजाना इकट्ठा करें।

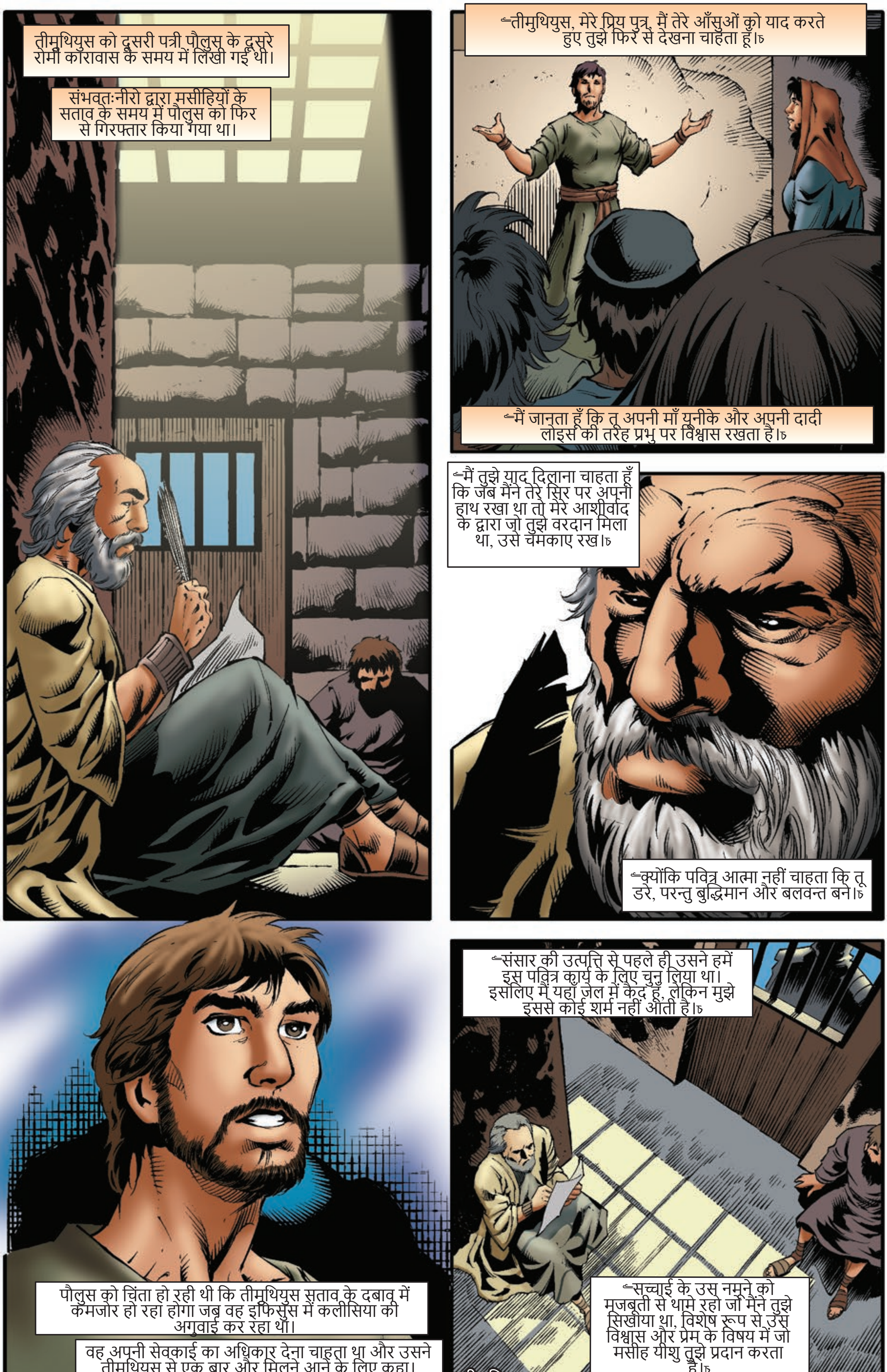
तीमुथियुस को दूसरी पत्री पौलुस के दूसरे रोमी कारावास के समय में लिखी गई थी।
संभवतःनीरो द्वारा मसीहियों के सताव के समय में पौलुस को फिर से गिरफ्तार किया गया था।
तीमुथियुस, मेरे प्रिय पुत्र, मैं तेरे आँसुओं को याद करते हुए तुझे फिर से देखना चाहता हूँ।
मैं जानता हूँ कि तू अपनी माँ यूनीके और अपनी दादी लोइस की तरह प्रभु पर विश्वास रखता है।
मैं तुझे याद दिलाना चाहता हूँ कि जब मैंने तेरे सिर पर अपना हाथ रखा था तो मेरे आशीर्वाद के द्वारा जो तुझे वरदान मिला था, उसे चमकाए रख।
क्योंकि पवित्र आत्मा नहीं चाहता कि तू डरे, परन्तु बुद्धिमान और बलवन्त बने।
पौलुस को चिंता हो रही थी कि तीमुथियुस सताव के दबाव में कमजोर हो रहा होगा जब वह इफिसुस में कलीसिया की अगुवाई कर रहा था।
वह अपनी सेवकाई का अधिकार देना चाहता था और उसने तीमुथियुस से एक बार और मिलने आने के लिए कहा।
संसार की उत्पत्ति से पहले ही उसने हमें इस पवित्र कार्य के लिए चुन लिया था। इसलिए मैं यहां जेल में कैद हूं, लेकिन मुझे इससे कोई शर्म नहीं आती है।
सच्चाई के उस नमूने को मजबूती से थामे रहो जो मैंने तुझे सिखाया था, विशेष रूप से उस विश्वास और प्रेम के विषय में जो मसीह यीशु तुझे प्रदान करता है।

तीमुथियुस, अपनी मूर्खतापूर्ण बातों से दूर रह - इफिसुस अरतिमिस देवी का शहर है!
दृढ़ हो जा और इन सच्चाईयों को विश्वासयोग्य लोगों को सिखा कि वे दूसरों को भी सिखा सकें - और यीशु मसीह के एक अच्छे योद्धा के रूप में दुख सह।
यीशु मसीह का जन्म राजा दाऊद के परिवार में हुआ था और उसने मृतकों में से जी उठकर साबित कर दिया कि वह परमेश्वर है।
क्योंकि मैं ने यह प्रचार किया है, मैं अपराधी की तरह बन्दीगृह में डाला गया हूं, परन्तु परमेश्वर का वचन कैद नहीं है।
एक अच्छा काम करने वाला बन, जिसे शर्मिंदा होना न पड़े जब परमेश्वर तेरे कामों को जांचे और तुझसे कहे, बहुत अच्छा किया।
हर उस चीज़ से दूर भाग जो तुझमे बुरे विचार उत्पन्न करती है - लेकिन उस चीज़ के करीब रह जो तुझे सही करना चाहती है।
जो प्रभु से प्रेम रखते हैं और शुद्ध मन रखते हैं, उनके साथ विश्वास और प्रेम का पीछा कर।
परमेश्वर के लोगों को झगड़ालु नहीं होना चाहिए; उन्हें उन लोगों के लिए कोमल, सहनशील शिक्षक होने चाहिए जो विरोधी हैं।
नम्र बनो जब तुम उन लोगों को सिखाने की कोशिश कर रहे हो जो सच्चाई के विषय में उलझन में हैं।

“लोग सिर्फ खुद से और पैसे से प्यार करेंगे; वे घमण्ड करेंगे और डींगें मारेंगे, परमेश्वर की हँसी उड़ाएँगे, अपने माता-पिता की आज्ञा नहीं मानेंगे, कृतघ्न और अपवित्र होंगे।”
“वे अपने मित्रों को धोखा देंगे; वे क्रोधी, घमण्डी, और परमेश्वर की आराधना करने से अधिक सुखविलास ही के चाहनेवाले होंगे।”
“उनका मन बिगड़ गया है, और विश्वास से मुड़ गए है।”
“लेकिन तूने मुझे देखा और जानता है कि मैं कैसा विश्वास करता हूँ और मैं किस तरह से रहता हूँ।”
“तू मसीह में मेरे विश्वास को जानता है और मैंने कैसी-कैसा दुख उठाया है। तेरे प्रति मेरे प्रेम और मेरे धीरज को तू जानता है।”
“तू उन बातों पर विश्वास करते रहना जो तुझे सिखाई गई हैं।”
“जब तू बच्चा ही था तभी से तुझे पवित्र शास्त्र सिखाया गया था जो तुझे मसीह यीशु पर विश्वास रखने के द्वारा उद्धार के लिए बुद्धिमान बनाता है।”
“बाइबल परमेश्वर की प्रेरणा द्वारा रची गई है और यह हमें सिखाने के लिए उपयोगी है कि क्या सत्य है और हमें यह एहसास दिलाने के लिए कि हमारे जीवन में क्या गलत है।”
“यह हमें हर प्रकार से अच्छी रीति से तैयार करने का ईश्वर का तरीका है - सभी का भला करने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित हों।”

अरतिमिस कोई ईश्वर नहीं है, लेकिन यीशु मसीह परमेश्वर है जो मनुष्य रूप धारण करके पृथ्वी पर आया।
मैं तुम से परमेश्वर के सामने और मसीह यीशु के सामने, जो एक दिन जीवितों और मरे हुओं का न्याय करेगा, मैं तुझे चिताता हूं, कि तू परमेश्वर के वचन का प्रचार करने को समय, और असमय, तैयार रह।
एक समय आएगा जब लोग सच नहीं सुनेंगे बल्कि ऐसे शिक्षकों की तलाश में घूमेंगे जो उन्हें वही बताएँगे जो वे सुनना चाहते हैं।
स्थिर रह, और प्रभु के लिए कष्टों से मत डर।
मैं तेरी सहायता करने के लिए ज़्यादा समय तक नहीं रहूँगा - मेरा समय लगभग समाप्त हो चुका है।
मैंने अच्छी कुश्ती लड़ी है और मसीह के प्रति सच्चा रहा हूँ।
स्वर्ग में एक मुकुट मेरी बाट जोह रहा है, जिसे प्रभु ने, जो धर्मी और न्यायी है, जो अपनी वापसी के उस महान दिन पर मुझे देगा।
और न केवल मेरे लिए, बल्कि उन सभी को जो उसके लौटने का बेसब्री से इंतजार करते हैं।
लूका को छोड़कर, दूसरों ने मुझे छोड़ दिया है। जितनी जल्दी हो सके आ जा।
सिकन्दर ठठेरे ने मुझे बहुत नुकसान पहुँचाया है, प्रभु उससे निपटेगा - लेकिन उससे सावधान रह।
तुम पर अनुग्रह होता रहे।

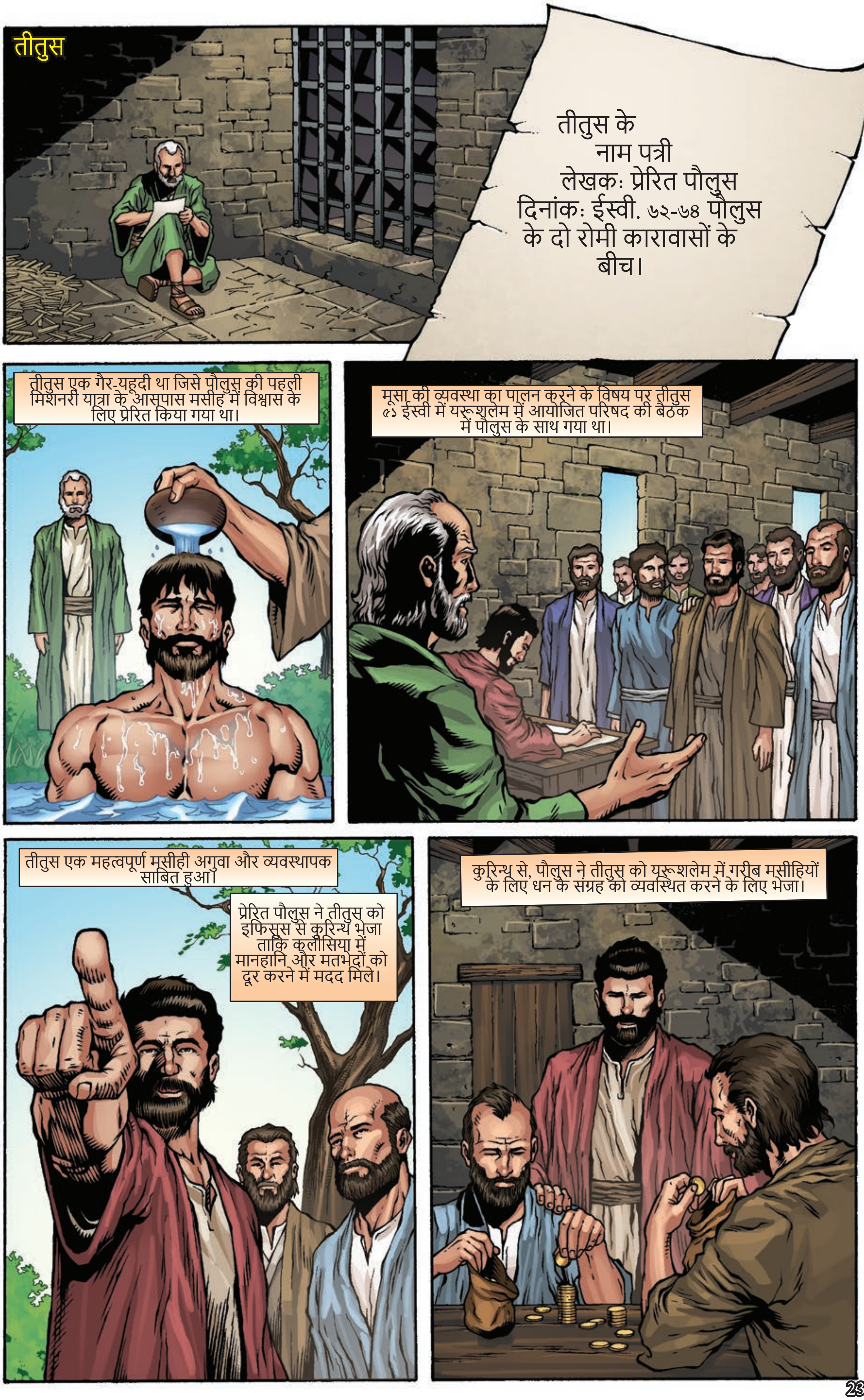
तीतुस
तीतुस के नाम पत्री
लेखकः प्रेरित पौलुस
दिनांकः ईस्वी. ६२-६४ पौलुस के दो रोमी कारावासों के बीच।
तीतुस एक गैर-यहूदी था जिसे पौलुस की पहली मिशनरी यात्रा के आसपास मसीह में विश्वास के लिए प्रेरित किया गया था।
मूसा की व्यवस्था का पालन करने के विषय पर तीतुस ५१ ईस्वी में यरूशलेम में आयोजित परिषद की बैठक में पौलुस के साथ गया था।
तीतुस एक महत्वपूर्ण मसीही अगुवा और व्यवस्थापक साबित हुआ।
प्रेरित पौलुस ने तीतुस को इफिसुस से कुरिन्थ भेजा ताकि कलीसिया में मानहानि और मतभेदों को दूर करने में मदद मिले।
कुरिन्थ से, पौलुस ने तीतुस को यरूशलेम में गरीब मसीहियों के लिए धन के संग्रह को व्यवस्थित करने के लिए भेजा।

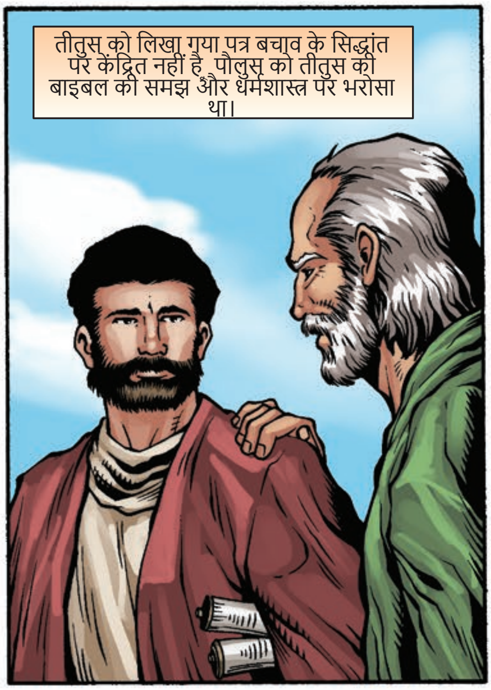
तीतुस को लिखा गया पत्र बचाव के सिद्धांत पर केंद्रित नहीं है, पौलुस को तीतुस की बाइबल की समझ और धर्मशास्त्र पर भरोसा था।

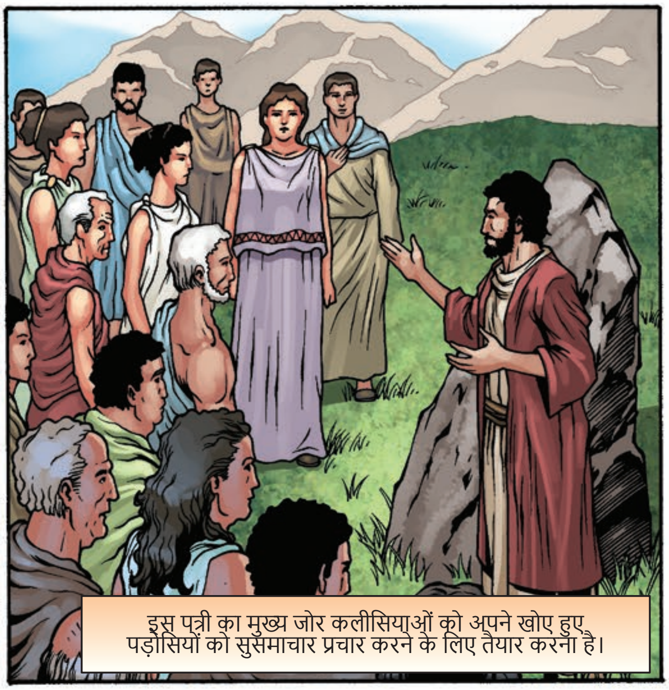
इस पत्री का मुख्य जोर कलीसियाओं को अपने खोए हुए पड़ोसियों को सुसमाचार प्रचार करने के लिए तैयार करना है।

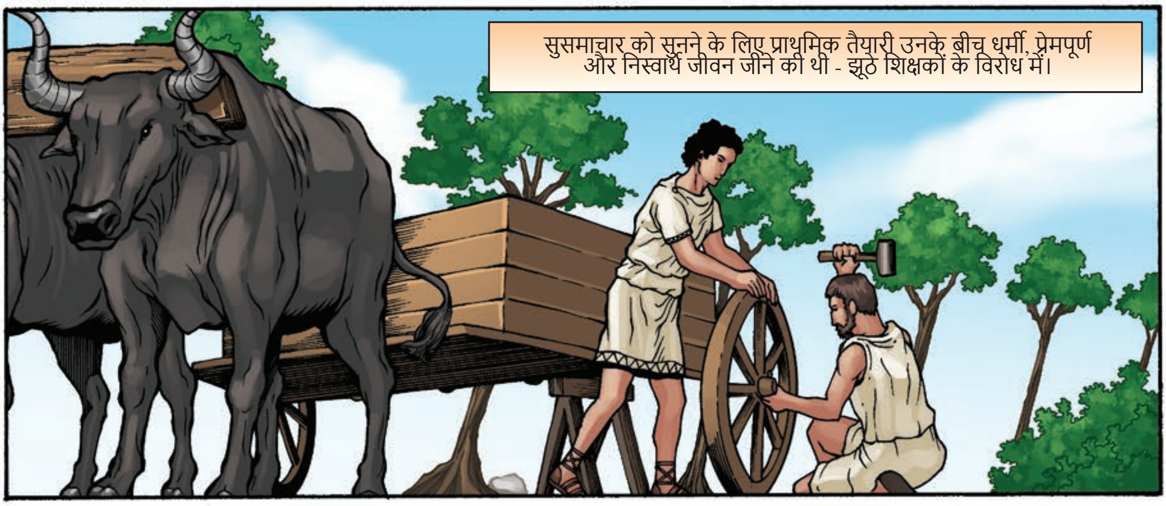
सुसमाचार को सुनने के लिए प्राथमिक तैयारी उनके बीच धर्मी, प्रेमपूर्ण और निस्वार्थ जीवन जीने की थी - झूठे शिक्षकों के विरोध में।

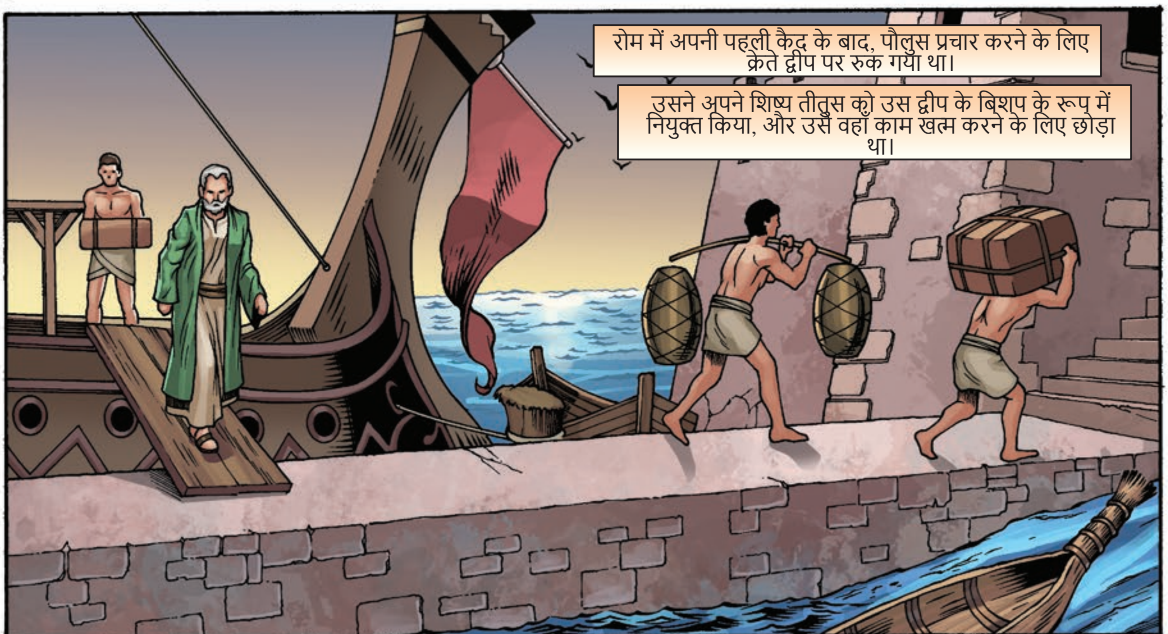
रोम में अपनी पहली कैद के बाद, पौलुस प्रचार करने के लिए क्रेते द्वीप पर रुक गया था।
उसने अपने शिष्य तीतुस को उस द्वीप के बिशप के रूप में नियुक्त किया, और उसे वहाँ काम खत्म करने के लिए छोड़ा था।

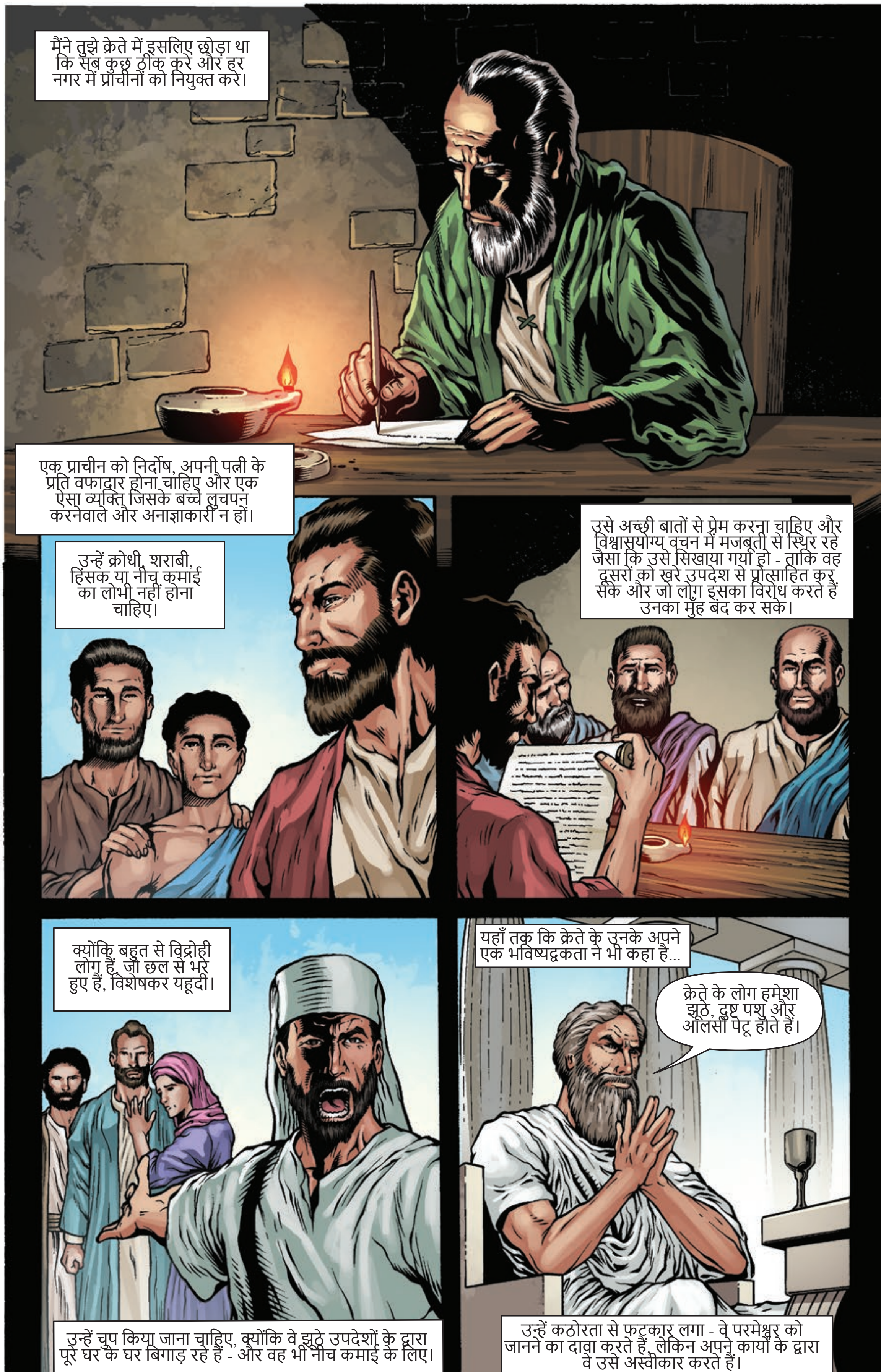
मैंने तुझे क्रेते में इसलिए छोड़ा था कि सब कुछ ठीक करे और हर नगर में प्राचीनों को नियुक्त करे।
एक प्राचीन को निर्दोष, अपनी पत्नी के प्रति वफादार होना चाहिए और एक ऐसा व्यक्ति जिसके बच्चे लुचपन करनेवाले और अनाज्ञाकारी न हों।
उन्हें क्रोधी, शराबी, हिंसक या नीच कमाई का लोभी नहीं होना चाहिए।
उसे अच्छी बातों से प्रेम करना चाहिए और विश्वासयोग्य वचन में मजबूती से स्थिर रहे जैसा कि उसे सिखाया गया हो - ताकि वह दूसरों को खरे उपदेश से प्रोत्साहित कर सके और जो लोग इसका विरोध करते हैं उनका मुंह बंद कर सके।
क्योंकि बहुत से विद्रोही लोग हैं, जो छल से भरे हुए हैं, विशेषकर यहूदी।
उन्हें चुप किया जाना चाहिए, क्योंकि वे झूठे उपदेशों के द्वारा पूरे घर के घर बिगाड़ रहे हैं - और वह भी नीच कमाई के लिए।
यहाँ तक कि क्रेते के उनके अपने एक भविष्यद्वकता ने भी कहा है...
क्रेते के लोग हमेशा झूठे, दुष्ट पशु और आलसी पेटू होते हैं।
उन्हें कठोरता से फटकार लगा - वे परमेश्वर को जानने का दावा करते हैं, लेकिन अपने कार्यों के द्वारा वे उसे अस्वीकार करते हैं।

तीतुस १

बूढ़े पुरुष को संयमी और योग्य बनना सिखा...
बूढ़ी स्त्रियों को भी कि वो बदनामी करने वाली या पियक्कड़ नहीं होनी चाहिए...
और युवकों को समझाया कर कि खुद पर सयंम रखना चाहिए।
तेरी शिक्षा में खराई और वचन में दृढ़ता दिखाई दे ताकि जो लोग तेरा विरोध करते हैं वे शर्मिंदा हों क्योंकि वे हमारे बारे में कुछ भी बुरा न कह सकें।
क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह प्रकट हुआ है जो सभी लोगों को उद्धार प्रदान करता है और यह हमें इस वर्तमान युग में आत्म-संयम, ईमानदार और धार्मिक जीवन जीने के लिए चिताता है।
सभी के प्रति शांति प्रिय, दूसरों का ध्यान रखनेवाले और नम्र बनो - क्योंकि एक समय में हम भी मूर्ख, अनाज्ञाकारी, धोखेबाज़ और सभी प्रकार की अभिलाषाओं और सुख-विलासों के दास थे।
वाद-विवाद और बहस से दूर रह।
पाखण्डी लोगों को एक बार चिता दे, और फिर उन्हें दूसरी बार चिता दे। इसके बाद उनसे कोई लेना-देना मत रख।

६३ ईस्वी. के आसपास।
फिलेमोन
फिलेमोन - प्रेरित पौलुस द्वारा लिखी गई चारों जेल पत्रियों में से एक है।
घटना इस प्रकार है की उनेसिमुस नाम का एक गुलाम जिसने अपने मालिक, फिलेमोन नाम के एक धनवान मसीही व्यक्ति के कुछ पैसे चुराए थे, जो कुलुस्से शहर में रहता था।
हजारों अन्य भगोड़े दासों की तरह, वह भी रोम भाग गया।
किसी तरह, रोम में रहते हुए, वह पौलुस से मिला और प्रेरित ने उनेसिमुस को मसीह में विश्वास करने के लिए उत्साहित किया। परन्तु जेल में रहते हुए, प्रेरित पौलुस ने उस दास को मसीह में विश्वास करने के लिए उत्साहित किया था।
हालाँकि वह कैदी नहीं था, फिर भी उनेसिमुस ने जेल में रहते हुए पौलुस की सहायता की।
पौलुस कुलुस्सियों की कलीसिया को तुखिकुस के द्वारा एक पत्र भेज रहा था - और यह पत्र फिलेमोन के लिए भी था।

तुखिकुस, मुझे एक चर्मपत्र और कलम दे दे।
पौलुस ने इस अवसर का प्रयोग कलीसिया को क्षमा के बारे में सिखाने और दो व्यक्तियों के बीच के रिश्ते को पुनर्स्थापित करने के लिए किया।
पौलुस, जो यीशु मसीह के विषय में सुसमाचार सुनाने के लिए जेल में है और भाई तीमुथियुस की ओर से।
फिलेमोन को, और तेरे घर की कलीसिया को, हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह तुम्हें अपना अनुग्रह और शांति दे।
मैं निरंतर परमेश्वर का धन्यवाद करता रहता हूँ, क्योंकि मैं प्रभु यीशु और उसके लोगों के प्रति तेरे प्रेम के बारे में सुनता हूँ।
मैं प्रार्थना करता हूँ कि जब तू अपना विश्वास साझा करता है तो तू अच्छी चीज़ें प्राप्त करता है जो मसीह यीशु की ओर से आती हैं।
तेरे प्यार और दया के द्वारा मुझे और कई अन्य लोगों को बहुत आनन्द और शांति मिली है।
मैं पौलुस, बूढ़ा व्यक्ति जो मसीह के लिए जेल में हूँ तुझसे एक एहसान माँगना चाहता हूँ।
मैं मसीह के नाम पर तुझसे इसकी माँग कर सकता था क्योंकि यह तेरे करने के लिए अच्छा काम है, लेकिन प्रेम में मैं पूछना पसंद करता हूँ।

मेरी विनती है कि तू मेरे पुत्र उनेसिमुस पर दया करे, जिसे मैंने अपनी जंजीरों में जकड़े हुए प्रभु के लिए जीता था।
वह पहले तेरे कुछ काम का नहीं था - लेकिन अब वह हम दोनों के काम का है।
मैं उसे तेरे पास वापस भेज रहा हूँ जो मेरे दिल के बहुत करीब है।
मैं उसे यहाँ अपने पास रखना चाहता था ताकि तेरी ओर से मेरी मदद कर सके - लेकिन मैं तेरी सहमति के बिना ऐसा नहीं करना चाहता था।
शायद इसे इस तरह से सोच - वह थोड़ी देर के लिए भाग गया था ताकि अब वह हमेशा के लिए तेरे पास रहे - दास के रूप में नहीं, बल्कि इससे भी बढ़कर - एक भाई की तरह।
अब वह तेरे लिए भी बहुत मायने रखेगा, क्योंकि वह न केवल दास है, परन्तु मसीह में तेरा भाई भी है।

यदि मैं वास्तव में तेरा मित्र हूँ, तो उसका भी वैसे ही स्वागत कर जैसे तू मेरा करता।
यदि उसने तुझे नुकसान पहुँचाया है या चोरी की है तो इसे मेरे नाम पर लिख ले - मैं इसे वापस कर दूंगा।
मैं, पौलुस, व्यक्तिगत रूप से इसकी जमानत देता हूँ लेकिन मैं यह नहीं बताऊंगा कि जो तुझ पर मेरा कर्ज़ है वह तू ही है!
सत्य यह है की, तू अपने प्राण से कर्जदार है!
प्रिय भाई मुझे इस प्रेमपूर्ण कार्य से आनन्दित कर और मेरा थका हुआ मन प्रभु की स्तुति करेगा।
मैंने तुझे यह पत्र इसलिए लिखा है क्योंकि मैं सकारात्मक हूँ कि मैं जो कुछ भी कहता हूँ तू उससे भी ज्यादा करेगा!
हमारे प्रभु का प्रेरित जल्द ही जेल से रिहा हो जाने की आशा करता है और चाहता है कि हम उसके लिए एक अतिथि कक्ष तैयार करें।
और...कि हम उनेसिमुस को एक भाई के रूप में फिर से ग्रहण करें।
हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम्हारी आत्मा पर बना रहे।
पौलुस

"THE BIBLE EXPLAINED
IN EVERY LANGUAGE."

SUPERBIBLE.TV